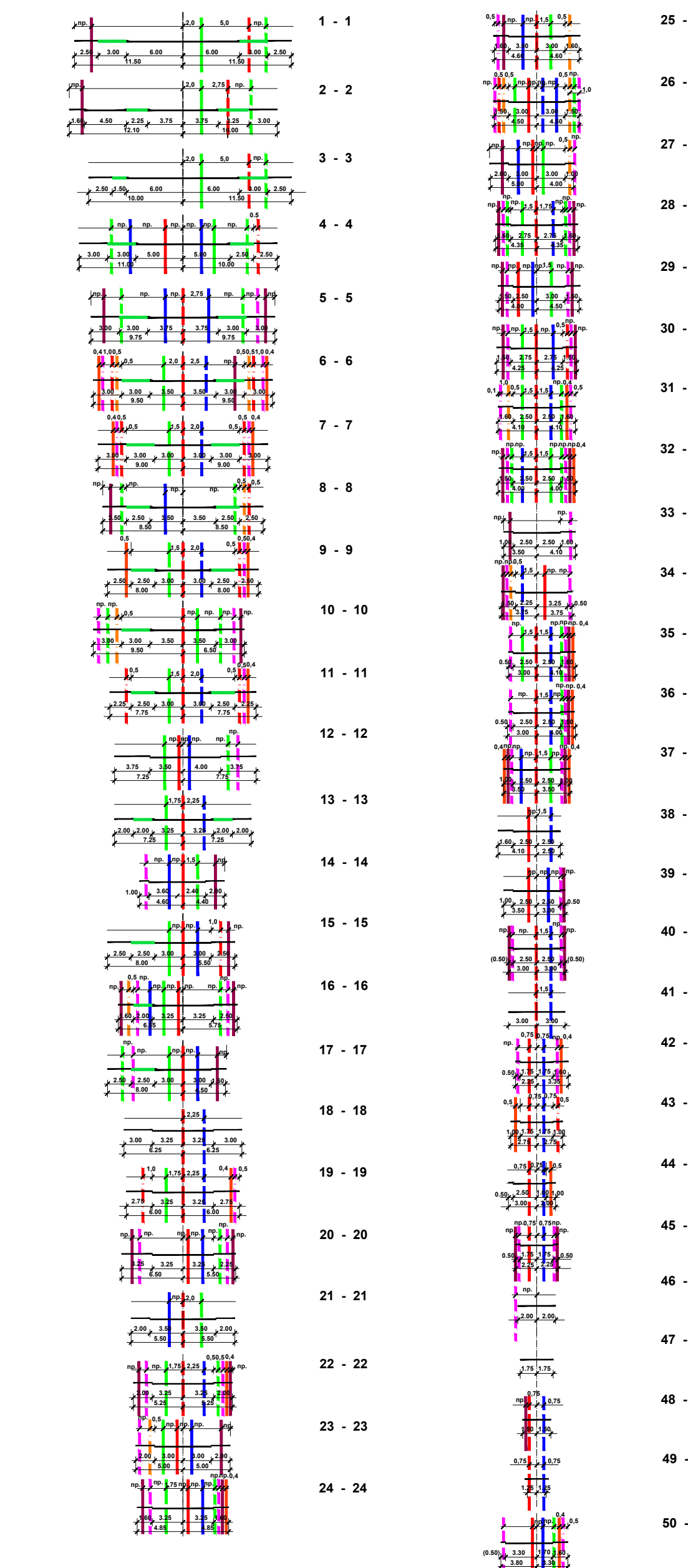


ЛЕГЕНДА:

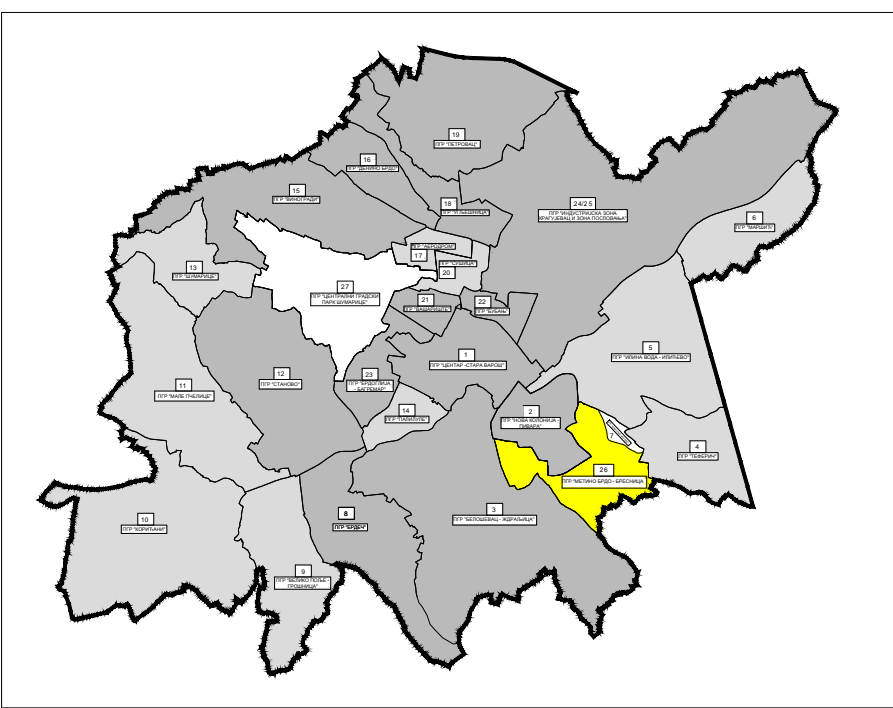
- ГРАНИЦА ОБУХВАТА ПЛАНА ГЕНЕРАЛНЕ РЕГУЛАЦИЈЕ
- ПОСТОЈЕЋИ МАГИСТРАЛНИ ЦЕВОВОД
- ПОСТОЈЕЋА ВОДОВОДНА ЛИНИЈА
- ПОСТОЈЕЋА ВОДОВОДНА ЛИНИЈА КОЈА СЕ УКИДА
- ПЛАНИРАНА ВОДОВОДНА ЛИНИЈА
- ГРАНИЦА ВИСИНСКЕ ЗОНЕ ВОДОСНАБДЕВАЊА
- ВОДОПРИВРЕДНИ КОМПЛЕКС
- ПОСТОЈЕЋИ РЕЗЕРВОАР
- ПОСТОЈЕЋА ПУМПНА СТАНИЦА
- ПОСТОЈЕЋА ФЕКАЛНА КАНАЛИЗАЦИЈА
- ПОСТОЈЕЋА ФЕКАЛНА КАНАЛИЗАЦИЈА КОЈА СЕ УКИДА
- ПЛАНИРАНА ФЕКАЛНА КАНАЛИЗАЦИЈА
- ПОСТОЈЕЋА КИШНА КАНАЛИЗАЦИЈА
- ПЛАНИРАНА КИШНА КАНАЛИЗАЦИЈА
- ПОСТОЈЕЋА ВОДОРЕГУЛАЦИЈА
- ПЛАНИРАНА ВОДОРЕГУЛАЦИЈА
- ПЛАНИРАНО ЗАЦЕВЉЕЊЕ ПОТОКА

КАРАКТЕРИСТИЧНИ ПРОФИЛИ R = 1:200




ЛЕГЕНДА КАРАКТЕРИСТИЧНИХ ПРОФИЛА

- Постојећа водоводна линија
- Планирана водоводна линија
- Постојећа фекална канализација
- Планирана фекална канализација
- Постојећа кишна канализација
- Планирана кишна канализација
- Планирани електроенергетски кабл 35kV
- Постојећи електроенергетски кабл 10kV
- Планирани електроенергетски кабл 10kV
- Постојећа телекомуникациони кабл
- Планирана телекомуникациони кабл
- Постојећа дистрибутивна гасоводна мрежа притисак до 4 bar
- Планирана дистрибутивна гасоводна мрежа притисак до 4 bar



- ПР НАСЕЉА МЕТИНО БРДО И БРЕСНИЦА
- ПЛАНОВИ У ИЗРАДИ
- УСВОЈЕНИ ПЛАНОВИ
- ПЛАНОВИ КОЈИ НЕ СЕ РАДИТИ

ПЛАН ГЕНЕРАЛНЕ РЕГУЛАЦИЈЕ  
"НАСЕЉА МЕТИНО БРДО И БРЕСНИЦА" У КРАГУЈЕВЦУ  
ПРЕДЛОГ ПЛАНА

	<b>ЈП "УРБАНИЗАМ" - КРАГУЈЕВАЦ</b>	
	ЈП "УРБАНИЗАМ" - КРАГУЈЕВАЦ Београд, Београдски београдски београд Београд, Београдски београдски београд Београд, Београдски београдски београд Београд, Београдски београдски београд	
	Град Крагујевац, Градско управно одељење за просторно планирање, урбанизам, изградњу и Град Крагујевац, Градско управно одељење за просторно планирање, урбанизам, изградњу и Град Крагујевац, Градско управно одељење за просторно планирање, урбанизам, изградњу и Град Крагујевац, Градско управно одељење за просторно планирање, урбанизам, изградњу и	
	Јединица за просторно планирање "УРБАНИЗАМ" - Крагујевац	
	Водоприводна инфраструктура	
НАМЕНА КАРТЕ	ИМАЈ РАДОВОЊИ, ЈП "УРБАНИЗАМ"	
ОБЈЕКТИ	АЛЕКСАНДАР М. П. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М. М	

